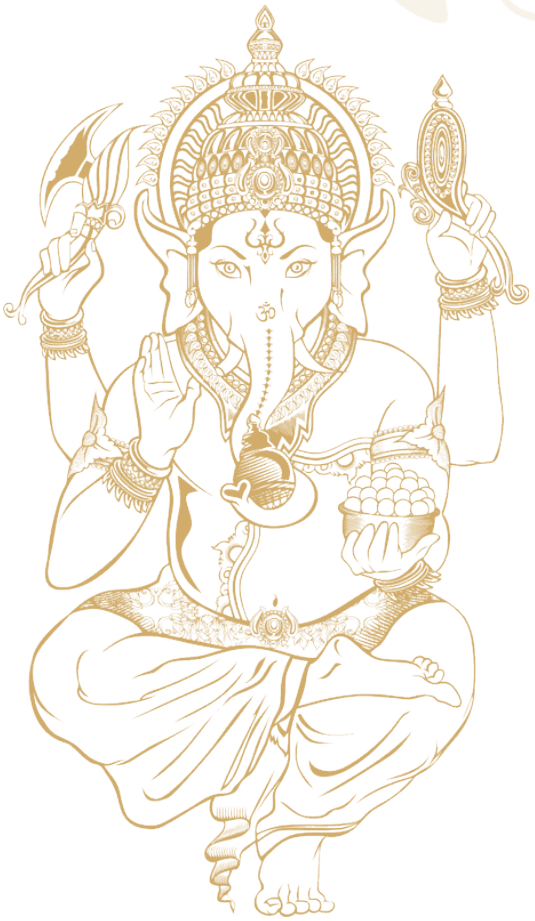

S

R

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120803704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/10/1997	जन्म तिथि	09/04/1999
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:50:00	जन्म समय	21:20:00 घंटे
घटी 41:41:37	जन्म समय(घटी)	38:45:44 घटी
India	देश	India
Lucknow	स्थान	Jabalpur
26:50:00 उत्तर	अक्षांश	23:10:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व	रेखांश	79:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24	स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:21	सूर्योदय	05:55:56
17:32:32	सूर्यास्त	18:28:22
23:49:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 3वर्ष 6मा 14दि	27:13:29	मिथु	लग्न	वृश्चि	04:26:56	सूर्य 3वर्ष 8मा 28दि
शनि	04:31:12	तुला	सूर्य	मीन	25:30:16	राहु
06/05/2017	17:22:41	मिथु	चंद्र	मक	01:40:50	06/01/2020
06/05/2036	22:27:26	वृश्चि	मंगल व	तुला	15:18:06	06/01/2038
शनि 09/05/2020	09:47:53	तुला	बुध	कुंभ	29:16:49	राहु 18/09/2022
बुध 17/01/2023	18:34:10	मक	गुरु	मीन	19:15:44	गुरु 11/02/2025
केतु 26/02/2024	20:51:47	वृश्चि	शुक्र	वृष	02:45:02	शनि 19/12/2027
शुक्र 28/04/2027	22:10:57	मीन व	शनि	मेष	10:39:02	बुध 07/07/2030
सूर्य 09/04/2028	25:10:45	सिंह व	राहु	कर्क	26:21:58	केतु 26/07/2031
चन्द्र 08/11/2029	25:10:45	कुंभ व	केतु	मक	26:21:58	शुक्र 25/07/2034
मंगल 18/12/2030	10:56:03	मक	हर्ष	मक	22:13:38	सूर्य 19/06/2035
राहु 24/10/2033	03:23:59	मक	नेप	मक	10:19:15	चन्द्र 18/12/2036
गुरु 06/05/2036	10:15:46	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:27:23	मंगल 06/01/2038

लग्न-चलित

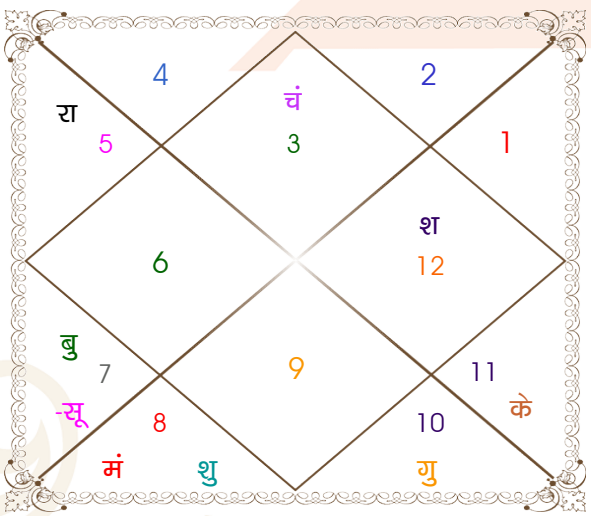

लग्न-चलित

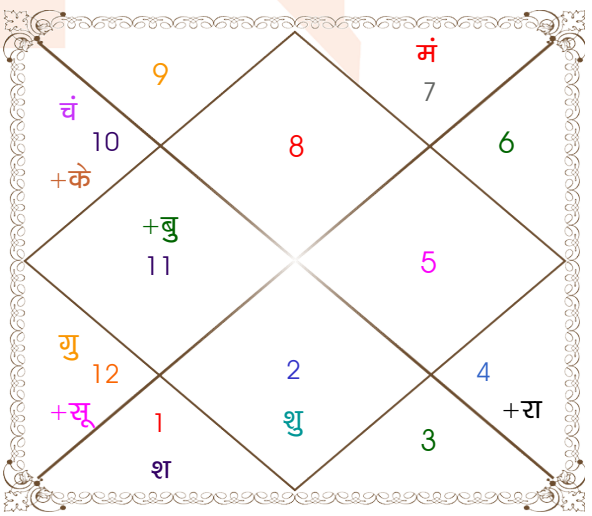

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष प्रभावहीन हS क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

S का वर्ग सिंह हS तथा R का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार S और R का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

S मंगलीक नही हS क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

R मंगलीक हS क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल R कि कुण्डली में द्वादश भाव में Rुला राशि में स्थित हS अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु S कि कुण्डली में Rृतीय भाव में स्थित हS अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

S तथा R में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।